यूपी का एमएसएमई सेक्टर रोजगार देने में नंबर वन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मिशन रोजगार बेहद कारगर साबित हो रहा है। कोरोना काल के बावजूद पिछले एक साल में प्रदेश की सूक्ष्म, लघु, और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) की 4571 इकाइयों ने देश में सर्वाधिक 45,166 लोगों को रोजगार दिया है। राज्य सरकार ने इन इकाइयों को 140 करोड़ रुपये की सब्सिडी भी दी है। वहीं रोजगार मुहैया कराने में देश में दूसरे नंबर पर गुजरात और तीसरे नंबर पर मध्य प्रदेश रहा है। यह दावा राज्य सरकार के प्रवक्ता ने मंगलवार को किया है।

4571 इकाइयों ने 45,166 लोगों को दिया रोजगार

प्रवक्ता के मुताबिक पूर्व की सरकारों की तुलना में योगी सरकार ने उद्योगों को प्राथमिकता पर रखकर लोन उपलब्ध कराया। प्रदेश सरकार के समन्वय से बैंकों ने पिछले चार साल में 55 लाख 45 हजार 147 एमएसएमई को लोन दिया था। इसमें तीन लाख आठ हजार 331 इकाइयों के सैंपल सर्वे में 9 लाख 51 हजार 800 लोगों को रोजगार देने की पुष्टि हुई थी। जबकि 55 लाख 45 हजार 147 इकाइयों में औसतन डेढ़ करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। वित्त वर्ष 2016-17 में सपा सरकार के दौरान 6,35,583 एमएसएमई को लोन दिया गया था। जबकि वर्ष 2017 में सत्ता परिवर्तन होते ही योगी सरकार में वित्त वर्ष 2017-18 में 7,87,572 एमएसएमई इकाइयों को लोन दिया। ब्यूरो

सीएम आज वितरित करेंगे 30 हजार नई एमएसएमई इकाइयों को ऋण

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 23 जून को आयोजित किए जा रहे ऑनलाइन स्वरोजगार संगम कार्यक्रम में लगभग 30 हजार नई एमएसएमई इकाइयों को 2500 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित करेंगे। साथ ही 'एक जनपद एक उत्पाद, सामान्य सुविधा केंद्र योजना' के ऑनलाइन रूपांतरण का शुभारंभ भी करेंगे। 9 जिलों में निर्मित किए जाने वाले सामान्य सुविधा केंद्रों का ऑनलाइन शिलान्यास भी करेंगे। एमएसएमई सेक्टर के तहत बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित किए जा सकते हैं। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए इन इकाइयों के लिए ऋण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। ब्यूरो